मांग | क्षेत्रीयवासियों ने उठाई जांच और कार्रवाई की मांग

वर्षों पुराने वृक्षों के विनाश से भड़के ग्रामीण

नारगवां, पनागर, नवभारत। तहसील पनागर अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहारी के ग्राम नरगांव में भूमि विवाद के बीच वर्षों पुराने हरे-भरे वृक्षों और एक परिवार के आशियाने को जेसीबी से क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

बताया जाता है कि आम, जामुन, नीम और सागौन जैसे दर्जनों वृक्षों के उखाड़े जाने के आरोपों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित परिवार ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम नरगांव निवासी अनामिका चौधरी ने बताया कि उनके दिवंगत पिता स्व. घनश्याम चौधरी, जो गांव के पूर्व सरपंच भी रहे हैं, ने लगभग चार से पांच दशक पहले खसरा क्रमांक 531, रकबा 3 एकड़ 50 डिसमिल भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया था। वर्षों की मेहनत से तैयार यह हरित क्षेत्र गांव की पहचान बन चुका था। अनामिका का आरोप है कि वर्ष 2018 में माता-पिता के निधन के बाद भूमि विवाद गहरा गया। इसी बीच रामलाल लोधी द्वारा भूमि पर दावा प्रस्तुत किया गया और हाल ही में कब्जा दिलाने की कार्रवाई के बाद 12 जून 2026 की शाम जेसीबी मशीन से परिसर में प्रवेश कर गेट, खंभों सहित अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंचाया गया। आरोप है कि इस दौरान बड़ी संख्या में वृक्षों को जड़ से उखाड़ दिया गया तथा कुछ स्थानों पर झाड़ियों और पौधों में आग भी लगाई गई।

किसने दी पेड़ उखाड़ने की अनुमति

घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि राजस्व विभाग द्वारा केवल कब्जा दिलाने की कार्रवाई की गई थी तो फिर वर्षों पुराने वृक्षों को नष्ट करने की अनुमति किसने दी? ग्रामीणों का कहना है कि वैधानिक कब्जा दिलाने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में बड़ा अंतर है, जिसकी जांच होना आवश्यक है।

पर्यावरणीय क्षति को लेकर भी जताई चिंता

ग्रामीणों के अनुसार बड़ी संख्या में फलदार एवं छायादार वृक्षों के नष्ट होने से पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंची है। लोगों ने मांग की है कि स्वतंत्र जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि वृक्षों की कटाई या उखाड़ने के लिए किसी सक्षम प्राधिकारी से अनुमति ली गई थी या नहीं।

राजस्व विभाग ने झाड़ा पल्ला

हल्का पटवारी अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि राजस्व विभाग ने केवल कब्जा मुक्ति एवं कब्जा दिलाने की कार्रवाई की थी। विभाग द्वारा किसी भी वृक्ष को उखाड़ने अथवा नष्ट करने की अनुमति नहीं दी गई थी।

एसडीएम बोले- होगी जांच

पनागर एसडीएम अभिषेक सिंह ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल भूमि विवाद नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और एक गरीब परिवार के अधिकारों का मामला भी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे तहसील कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करेंगे। फिलहाल पूरे मामले में प्रशासनिक जांच और कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों की निगाहें टिकी हुई हैं। सभी को उम्मीद है कि जांच के बाद सच्चाई सामने आएगी और जिम्मेदारों पर उचित कार्रवाई होगी।

वन विभाग ने तहसीलदार को पत्र भेजने की बात की

वन मंडल परिक्षेत्र पनागर के रेंजर सौरभ शर्मा ने बताया कि संबंधित भूमि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, इसलिए वन विभाग सीधे कार्रवाई नहीं कर सकता। हालांकि पूरे मामले की जानकारी संकलित कर तहसीलदार को पत्र भेजा जाएगा।

स्टेप सीडड्रिल' से डीएसआर विधि का किया प्रदर्शन

पाटन के ग्राम खैरी में आधुनिक तकनीक से धान की बोनी

पाटन/खैरी, नवभारत। कृषि में आधुनिक तकनीकों के समावेशन और किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों के तहत आज विकासखंड पाटन के ग्राम खैरी में कृषि विभाग के मार्गदर्शन में एक कृषि प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यहाँ के प्रगतिशील कृषक रामनरेश पटेल के खेत पर आधुनिक 'स्टेप सीडड्रिल' यंत्र के माध्यम से धान की (सीधी बुआई) विधि से बोनी की गई।

कृषक के अनुसार, डीएसआर विधि से धान की सीधी बुआई करने के लिए 'स्टेप सीडड्रिल' वर्तमान में सबसे उत्तम और प्रभावी यन्त्र है। इस यंत्र की खासियत है कि यह अनुमानित कीमत 1.3 लाख का है। इस तकनीक के माध्यम से एक एकड़ खेत की बोनी में मात्र 8 किलोग्राम धान के बीज की आवश्यकता होती है, जिससे बीजों की भारी बचत होती है। यह यंत्र एक एकड़ क्षेत्र की बोनी करने में मात्र 1.5 घंटे का समय लेता है। वहीं एक दिन में इस यंत्र के माध्यम से आसानी से 7 से 8 एकड़ क्षेत्र में धान की बोनी की जा सकती है।

इस आधुनिक बोनी प्रदर्शन के दौरान कृषि विभाग से अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री पंकज श्रीवास्तव एवं कृषि विस्तार अधिकारी हरीश बर्वे उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कृषक रामनरेश पटेल के खेत पर चल रहे सीधी बोनी के कार्य का उपस्थित अन्य किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने उपस्थित किसानों को धान की ष्ठस्क्र (सीधी बुआई) विधि के बहुआयामी लाभों से अवगत कराया:

पर्यावरण के अनुकूल है यह यंत्र

खेतों में पानी जमा न रहने से मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है। पौधों के बीच सही दूरी होने से फसल की ग्रोथ अच्छी होती है और सही प्रबंधन से उत्पादन में भारी वृद्धि होती है। कम संसाधनों में अधिक लाभ मिलने से अंततः किसानों की शुद्ध आय में बढ़ोतरी होती है। कृषि विभाग ने अधिक से अधिक किसानो को इस विधि से बोनी की सलाह दी।

पानी की होती है भारी बचत

इस यंत्र की विशेषता है कि धान के खेत में पानी भरकर रखने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे 15% से 25% तक पानी की बचत होती है। वहीं हाथ से रोपाई की तुलना में मजदूरी, सिंचाई और इनपुट लागत बहुत कम हो जाती है। इसके साथ ही नर्सरी तैयार करने और रोपाई के कड़े श्रम से मुक्ति मिलती है। इसके माध्यम से मानसून की शुरुआत में ही सीधे खेतों में बुआई की जा सकती है।

खड़े ट्रक से टकराई कार, दो युवकों की मौत

नेशनल हाइवे पर फिर बरपा काल, टक्कर के बाद पलटी खाते हुए खेत में जा गिरी कार

भुआबिछिया, नवभारत। जिले के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे पर रविवार देर रात एक और दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे खड़े एक खराब ट्रक से तेज रफ्तार कार पीछे से सीधे जा टकराई। इस भीषण भिड़ंत में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

बिछिया थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नेशनल हाइवे पर पड़रिया गांव स्थित गणेश पेट्रोल पंप के पास एक ट्रक खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान बिछिया की ओर आ रही एक तेज रफ्तार टियागो कार अनियंत्रित होकर ट्रक के पिछले हिस्से से बेहद हिंसक तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और वाहन कई बार पलटी खाते हुए सड़क किनारे एक खेत में जा गिरा।

हादसे के बाद कार में सवार चारों लोग वाहन के मलबे में बुरी तरह फंस गए और चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देते हुए फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के काम में जुट गए। सूचना मिलते ही बिछिया थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों की मदद से सभी को तत्काल बिछिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद बिछिया निवासी चंद्रप्रकाश मरावी 30 वर्ष और निखिल 24 वर्ष को मृत घोषित कर दिया। वहीं इस हादसे में गंभीर रूप से घायल बालकिशन मरावी और भानू प्रताप का इलाज फिलहाल अस्पताल में जारी है।

महाप्रबंधक ने जोनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का किया उद्घाटन, देखीं सुविधाएं

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने निशातपुरा (भोपाल) स्थित नवनिर्मित मल्टी डिसिप्लिनरी जोनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमडीजेडटीआई) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रथम बैच लोको पायलट प्रमोशन कोर्स के 40 प्रशिक्षणार्थियों से संवाद किया।

महाप्रबंधक ने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, उपलब्ध सुविधाओं एवं उनके अनुभवों की जानकारी प्राप्त की।महाप्रबंधक ने प्रशिक्षणार्थियों के छात्रावास, मेस, क्लासरूम, प्रशासनिक भवन, ऑडिटोरियम ब्लॉक, प्रशिक्षण कक्षों तथा संस्थान में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही प्रस्तावित मॉडल रूम के प्रारूप एवं विकास कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने निर्देशित किया कि संस्थान में उपलब्ध आधुनिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए रेलवे कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। इसके साथ ही महाप्रबंधक ने संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर विकसित करने पर बल दिया। महाप्रबंधक ने भोपाल-इटारसी रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेल पथ, सिग्नलिंग प्रणाली, पुलों, समपार फाटकों, ओएचई एवं अन्य संरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने रेलखंड में चल रहे अनुरक्षण एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को संरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सांसद से की मुलाकात

महाप्रबंधक ने भोपाल स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, फुट ओवर ब्रिज, स्टेशन परिसर, स्वच्छता व्यवस्था तथा यात्री आवागमन प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया एवं यूनियन प्रतिनिधियों से रेलकर्मियों की समस्या से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की तथा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त महाप्रबंधक ने इटारसी स्टेशन पर सांसद नर्मदापुरम दर्शन सिंह चौधरी से भी मुलाकात की तथा यात्रियों की सुविधाओं, स्टेशन विकास एवं क्षेत्र की रेल आवश्यकताओं से संबंधित सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने प्राप्त सुझावों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

24 घंटे के अंदर फिर बाघ ने युवक की ली जान

बड़ी मां की मौत के बाद भतीजे की भी मौत, एक ही घर में एक ही दिन में दो चिंताएं जलीं, ग्रामीणों में रोष

चिल्हारी, उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर कूदरी बीट में ग्राम झलवार में 24 घंटे के भीतर टाइगर के हमले की दूसरी घटना सामने आई है। टाइगर के हमले में एक युवक की मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

नवभारत संवाददाता से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कल्याण सिंह पिता रामकृपाल सिंह उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम झलवार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह मानसिक रूप से कमजोर था। शुक्रवार को जंगल क्षेत्र के पास टाइगर ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अब तक 6 लोगों को बना चुका है शिकार

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण आए दिन जंगली जनवरों के हमलों से इन्सानों की मौत हो रही है। विगत 10 अप्रैल

से 13 जून तक लगभग 2 माह में पनपथा सब डिवीजन में बाघ ने 6 इन्सानों को मौत के घाट उतार दिया 4 इन्सानो को घायल कर दिया दिनांक 10 अप्रैल को बीट कुदरी में झलवार गांव की एक महिला कुसुम बाई गोंड, दूसरी घटना में 16 मई, तीसरी घटना कुदरी गांव की महिला ममता यादव की 12 जून को, झलवार गांव की महिला फूलबाई सिंह गोड़ को 13 जून एवं झलवार गांव का पुरूष कल्याण सिंह गोंड के नाम शामिल हैं ये सभी घटनाएं एक ही बीट प्रभारी शिवकरण बैगा के बीट की हैं 3मई को बीट चिन्सुरा में कुदरी गांव के रज्जू कोल जहां के बीट प्रभारी चुन्नी बैगा हैं उपरोक्त पांचों घटनाएं पनपथा कोर रेन्ज की है जहां के रेन्जर रमेश सिंह पाटले हैं।

ग्रामीणों ने अधिकारियों पर लगाया लापरवाही का आरोप

इस तरह से वन विभाग के बड़े अधिकारियों का इस प्रकार की हो रही घटनाओं को ध्यान नहीं देना कई तरह के प्रश्न चिन्ह लगा रहीं हैं, अगर प्रबंधन सही होता तो एक घटना के बाद दूसरी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होती लेकिन वन विभाग के आला अधिकारी इन्सानों की कीमत नहीं समझते इसीलिए इनके द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाया जा रहा है। ग्रामीणों ने आला अधिकारियों से शीघ्र रोक लगाने एवं जानमाल की रक्षा की मांग की है।

शव के पास ही बैठा रहा बाघ

घटना की सूचना मिलते ही वन अमला और पुलिस विभाग की टीम मौके पर पहुंची जहां बाघ घटना स्थल पर बैठा मिला, बाघ को भगाने का प्रयास किया जा रहा है, उसके पश्चात शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी। लगातार हो रहे टाइगर हमलों से ग्रामीणों में भय और आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने वन विभाग से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

रपटा घाट में डूबे तीन युवक, दो को बचाया गया, एक की मौत

प्रशासन के सुरक्षा इंतजामों पर फूटा लोगों का गुस्सा

मंडला। जिला मुख्यालय के रपटा घाट पर सोमवार सुबह सोमवती अमावस्या के दिन नर्मदा स्नान के लिए पहुंचे एक 18 वर्षीय युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। वहीं उसके दो अन्य साथियों को स्थानीय लोगों और मछुआरों की तत्परता से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस दुखद घटना के बाद त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं और घाट पर मौजूद लोगों ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

जानकारी अनुसार बिंझिया निवासी भरत पटेल 18 वर्ष सोमवार सुबह अपने चार-पांच दोस्तों के साथ सोमवती अमावस्या के अवसर पर नर्मदा स्नान करने रपटा घाट आया था। सुबह से ही घाट पर हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा थी। स्नान करने के दौरान भरत और उसके दो साथी एनीकट के ढलान वाले संवेदनशील हिस्से की ओर चले गए, जहाँ अचानक पैर फिसलने के कारण तीनों गहरे पानी में समाने लगे और डूबने लगे।

अस्पताल ले जाते समय भरत ने तोड़ा दम-युवकों को पानी में डूबता देख घाट पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय मछुआरों ने तुरंत नदी में छलांग लगा दी। कड़े प्रयास के बाद दो युवकों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन भरत पटेल पानी में लापता हो गया। दोस्तों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद जब सफलता नहीं मिली, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सांसें चल रही थीं पर नहीं बच सकी जान-सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कुछ ही देर में भरत को पानी से बाहर निकाल लिया गया। मृतक युवक के साथियों ने बताया कि जब उसे पानी से निकाला गया तब उसकी सांसें चल रही थीं। उसे अत्यंत गंभीर हालत में तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

इस दर्दनाक हादसे के बाद घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश देखा गया। लोगों का आरोप है कि सोमवती अमावस्या जैसे बड़े और संवेदनशील धार्मिक पर्व पर हजारों की भीड़ उमड़ने का अनुमान पहले से था, इसके बावजूद प्रशासन ने सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए थे।

बताया गया कि घाट के गहरे और खतरनाक क्षेत्रों में प्रभावी बैरिकेडिंग नहीं की गई थी। श्रद्धालुओं को सचेत करने के लिए पर्याप्त चेतावनी बोर्ड भी गायब थे। मौके पर त्वरित बचाव दल की कोई तैनाती नहीं थी। घटना के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है। मृतक भरत पटेल के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया। जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

परेशानी | प्रशासन से शिकायत के बाद भी नहीं हो रही है कारवाई

टपरिया गांव की सड़क खुद सुधार रहे ग्रामीण

पाटन, नवभारत। पाटन की गाड़ाघाट पंचायत के अंतर्गत आने वाले टपरिया गांव के ग्रामीण इन दिनों सुबह से हाथ में कुदाली फावड़ा और कुल्हाड़ी लेकर सड़क पर नजर आते हैं क्योंकि बारिश आने वाली है लिहाजा गांव वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसलिए सभी गांव के लोग मिलकर जर्जर हो चुकी सड़क को सुधारने में लगे हैं।

टपरिया गांव के ग्रामीण सुबह से सड़क पर गड्ढे भरने, आसपास की लगी झाड़ियां को काटने और रास्ते को सुगम बनाने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं सुबह से ही यह कोशिश शुरू हो जाती है और दोपहर लगभग 12 बजे तक सभी ग्रामीण रास्ते के सुधार में लगे रहते हैं।

बच्चों और महिलाओं को होती है सबसे ज्यादा परेशानी

ग्रामीणों का कहना है कि 20 साल पहले गांव में मुरम की सड़क बनी थी इसमें जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, बारिश के मौसम में यहां के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है बच्चों को स्कूल ले जाने में परेशानी होती है यदि कोई बीमार हो जाए तो उसे अस्पताल तक ले जाने में भी खासी मशक्कत करनी पड़ती है।

शिकायत के बाद भी नहीं पहुंचे अधिकारी

कई बार गांव के सरपंच और अधिकारियों से शिकायत की गई, यही नहीं सीएम हेल्पलाइन में भी गांव वासियों के द्वारा शिकायत की गई लेकिन आज तक यहां पर अधिकारी नहीं पहुंचे। जिसके कारण गांव वालों की समस्या का हल नहीं हुआ। बारिश के मौसम में किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसलिए गांव वालों को खुद मोर्चा संभालना पड़ता है और करीब 15 दिनों की कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए जिससे कि उन्हें हो रही तकलीफों से निजात मिले।

क्षेत्रीय संयोजक ने किया पीएमश्री विद्यालय सिंगारपुर का निरीक्षण

मंडला। पीएम श्री विद्यालय सिंगारपुर का क्षेत्रीय संयोजक विष्णु सिंगौर द्वारा निरीक्षण किया गया। विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक अध्ययन-अध्यापन कार्य संचालित है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के कुल 22 विद्यार्थियों का ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) शेष है, जो छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया गया कि जिन विद्यार्थियों के आधार कार्ड अद्यतन नहीं हो सके हैं, उन्हीं का ओटीआर पंजीयन लंबित है। इस पर सभी पात्र विद्यार्थियों का ओटीआर पंजीयन शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन ने नियमित भृत्य की पदस्थापना संबंधी विषय से भी अवगत कराया। विद्यालय में पदस्थ भृत्य श्रीमती सुमन बैरागी ने परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के बावजूद परिवीक्षा समाप्ति आदेश जारी न होने की जानकारी दी। इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर जिला कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए।